~~इन तीनों तरह के मापनी तथा उनकी शैक्षिक उपयोगिताएं~~ (educational usefulness) निम्नांकित हैं —

(1) → आंकिक रेटिंग विधि (Numerical rating method) —
आंकिक रेटिंग विधि Numerical rating method — वैसी विधि को कहा जाता है जिसमें शिक्षकों को जो प्रेक्षक (Observer) या रेटर (Rater) का काम करते हैं, निश्चित अंकों का एक क्रम (sequence) दिया जाता है। ये सभी अंक अच्छी तरह परिभाषित होते हैं। तथा शिक्षक बालकों या शिक्षार्थियों (Learners) को अपने सामान्य अनुभव के आधार पर परिभाषाओं के अनुसार अंक प्रदान करते है और उन अंकों का योग ज्ञात करके उनका सांख्यिकीय विश्लेषण (statistical analysis) कर एक एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है। आंकिक रेटिंग विधि का एक उदाहरण इस प्रकार है —

	स.	सहमत	असहमत	तटस्थ
i) रमेश वर्ग में समय पर आता है	3	2	1	
ii) रमेश गृह-कार्य बनाकर वर्ग में आता है	3	2	1	
iii) रमेश में अनुशासनप्रियता का गुण अधिक है	3	2	1	

इस तरह से कई कथन होते हैं और शिक्षक या शिक्षा मनोवैज्ञानिक प्रत्येक कथन को पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया दिए गए बिन्दुओं (points) (यहाँ 3-बिन्दु मापनी है), में से किसी एक अंक (Number) को देखकर व्यक्त करता है। बाद में एक-एक कर किसी अंकों को जोड़कर उसका सांख्यिकीय विश्लेषण कर शिक्षक बालक या शिक्षार्थी के शीलगुणों के बारे में एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचते हैं।

Scanned with CamScanner

दिनांक 17/04/2021

श्री गणेशाय नमः
K. Nand B.A II Hon's (conti.....)

में दो या दो से अधिक गुणों (attribute) का एक सैट होता है जिनमें से किसी एक को चुनकर शिक्षक किसी बालक का रेटिंग करते हैं। किसी एक को चुनकर शिक्षक किसी बालक का रेटिंग करते हैं। किसी एक एकांश के भीतर आनेवाली सभी गुण समान रूप से अनुकूल (Favourable) या समान रूप से प्रतिकूल (unfavourable) होकर पड़ते हैं जिसमें से शिक्षक को किसी एक को जो उनके विचार में प्रश्न किए जानेवाले छात्र या शिक्षार्थी के लिए सही होता है, चुनने के लिए बाध्य (Forced) किया जाता है। बाधित चयन रेटिंग विधि के एकांश (item) का एक नमूना इस प्रकार है:

अर्चना कुमारी अपने वर्ग में

i) सबसे पहली बेंच पर बैठती है।
ii) किसी प्रश्न का उत्तर सबसे पहले देती है।
iii) मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्वच्छता पर भरपूर ध्यान देती है।
iv) सभी तरह के गृह-कार्य तथा वर्ग-कार्य समय पर पूरा करती है।

इस उदाहरण में अर्चना कुमारी के बारे में चारों कथन अनुकूल (Favourable) हैं और शिक्षक को इनमें से किसी एक को जिसे वे सबसे उत्तम एवं उपयुक्त समझते हैं, चुनने के लिए बाध्य किया जाता है। इसी तरह के कई एकांश होते हैं जिसपर शिक्षक अमुक छात्र या शिक्षार्थी का रेटिंग कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं जिनका बाद में विश्लेषण कर एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है।

Scanned with CamScanner

Date
13/04/2021

Page
3

K Shweta B.A II Hons (Contd...)

(2) आकृतिक रेटिंग विधि (Graphic rating method) यह विधि आंकिक रेटिंग विधि (Numerical rating method) के ही समान है। अन्तर सिर्फ इतना ही है कि आकृतिक रेटिंग विधि में मापनी बिन्दु (Scale points) आकृति (graph) के रूप में होते हैं और प्रत्येक मापनी बिन्दु का एक वर्णनात्मक संकेत (descriptive cues) दिया रहता है। यहाँ आंकिक रेटिंग विधि (numerical rating method) के समान मापनी बिन्दुओं का कोई संख्यात्मक मान (Numerical values) नहीं होता है। शिक्षक या शिक्षा मनोवैज्ञानिक जो प्रेक्षक (observer) के रूप में कार्य करते हैं, शिक्षार्थियों के प्रति अपने विचार किए गए वर्णनात्मक संकेत (descriptive cues) के ऊपर एक टिक या सही (✓) का निशान या कोई अन्य इसी प्रकार का चिन्ह लगाकर करते हैं। आकृतिक रेटिंग विधि का उदाहरण इस प्रकार है —

i) शिक्षक द्वारा वर्ग में प्रश्न पूछे जाने पर मोहन उसका उत्तर देता है —

अत्यधिक तेजी से | थोड़ा तेजी से | धीमी गति से | सुस्ती से | अत्यधिक धीमी गति से

ii) किसी विचार-गोष्ठी में मोहन — अत्यधिक बातचीत करता है, आसानी से बातचीत करता है। | जरूरत होने पर बातचीत करता है। | दूसरों से बातचीत सुनना पसंद करता है। | बातचीत करने से कतराता है।

इसी तरह के कई एकांश (items) होते हैं जिनपर शिक्षक किसी शिक्षार्थी या बालक का रेटिंग करते हैं और उन सबका विश्लेषण कर एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं।

(3) बाधित चयन रेटिंग ~~(items)~~ विधि (Forced choice rating method) — इस विधि में प्रत्येक एकांश (items)

P.T.O.